बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 24 ● अंक: 92 ● नई दिल्ली ● सोमवार 19 जनवरी 2026 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन
बी-2/370, सुल्तानपुरी
दिल्ली-86

प्रेम संबंध से नाराज नाबालिग भाई ने बहन के प्रेमी को मारा, पुलिस ने 5 आरोपी पकड़े

नई दिल्ली। दिल्ली में एक किशोर को सोशल मीडिया के जरिए एक सार्वजनिक पार्क में बुलाया गया और नाबालिगों के एक समूह ने कथित तौर पर चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी. मृतक किशोर का आरोपियों में से एक की बहन के साथ प्रेम संबंध था. इस मामले में लड़की के नाबालिग भाई समेत कुल पांच किशोरों को पकड़ा गया है. यह घटना 15 जनवरी को उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के रोहिणी इलाके में जापानी पार्क में हुई, जहां दिव्यांशु (18) पर दिनदहाड़े हमला किया गया. पुलिस ने बताया कि हत्या की साजिश कथित तौर पर लड़की के नाबालिग भाई ने रची थी. घटना वाले दिन अपराह्न करीब तीन बजे पीसीआर को सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची जहां दिव्यांशु घायल अवस्था में मिला.

सेना के आठ जवान घायल: किश्तवाड़ में तीन जैश के आतंकी घिरे, दहशतगर्दों ने की अंधाधुंध फायरिंग; ग्रेनेड फेंके

(वेबवार्ता)

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर स्थित किश्तवाड़ जिले के ऊंचाई वाले इलाके में स्थित एक सुदूर वन क्षेत्र में रविवार को पाकिस्तानी आतंकियों से भीषण मुठभेड़ में पांच जवान घायल हो गए। सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े दो से तीन आतंकवादी को घेर रखा है। आतंकवादियों को मार गिराने और घेराबंदी को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त बल भेजे गए है। हेलिकॉप्टर को भी सर्च ऑपरेशन में लगाया गया है। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह करीब सवा 11 बजे जंगल में चल रहे तलाशी एवं घेराबंदी अभियान के दौरान सोननाड़-सिंहपोरा, छात्रू में घात लगाए बैठे दो से तीन विदेशी आतंकवादियों के एक समूह से हो गया।

सूत्रों का कहना है कि ये आतंकी पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से संबंधित हैं। इन आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों की घेराबंदी तोड़ने के लिए ग्रेनेड भी फेंके। सुरक्षाबलों ने फौरन जवाबी कार्रवाई शुरू की। सूत्रों के अनुसार मुठभेड़ में पांच जवान घायल हुए हैं। इनमें से ग्रेनेड हमले में एक जवान गंभीर रूप

से घायल है। हालांकि घायलों को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पूरे इलाके को घेरकर संयुक्त ऑपरेशन चलाया जा रहा

आतंकियों को मार गिराने के अभियान में सेना, सीआरपीएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस, एसओजी की टीमें शामिल है।

मुठभेड़ स्थल पर बीच-बीच में दोनों तरफ से गोलीबारी जारी है। पूरे इलाके को घेरकर संयुक्त ऑपरेशन चलाया जा रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षाबल को मौके पर भेजने के साथ ही हेलिकॉप्टर को भी सर्च ऑपरेशन में लगाया गया है।

व्हाइट नाइट कोर ने ऑपरेशन त्राशी नाम दिया

जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने इसे ऑपरेशन त्राशी नाम दिया है। व्हाइट नाइट कोर ने कहा है कि दुर्गम भूभाग और परिस्थितियों में भी गोलीबारी का जवाब देते हुए सैनिकों ने असाधारण व्यावसायिकता और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया है। नागरिक प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय के साथ घेराबंदी को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त बलों को तैनात किया गया है।

लाउडस्पीकर से अनाउंस कर लोगों को घरों में ही रहने की दी हिदायत

सुरक्षा कारणों से सिंहपोरा इलाके में बाजार तक लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों को घरों में रहने की हिदायत दी गई है। क्षेत्र में जगह-जगह वाहनों और आम नागरिकों की सघन तलाशी ली जा रही है। तलाशी के बाद ही किसी वाहन को आगे बढ़ने की अनुमति दी जा रही है।

इलाके में लगातार आतंकी गतिविधियां देखने को मिल रहीं

गौरतलब है कि यह इलाका बीते दो-तीन वर्षों से लगातार आतंकी गतिविधियों की वजह से सुर्खियों में रहा है। यहां अक्सर आतंकियों की मौजूदगी की सूचनाएं मिलती रही है। गणतंत्र दिवस से पहले शांतिपूर्ण समारोह सुनिश्चित करने के लिए अभियान और तेज कर दिए गए है। खुफिया जानकारी मिली है कि पाकिस्तान स्थित हैंडलर और अधिक आतंकवादियों को भेजने की कोशिश कर रहे हैं।

इस साल तीसरी मुठभेड़

जम्मू संभाग में इस साल सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच यह तीसरी मुठभेड़ है। इससे पहले 7 और 13 जनवरी को कठुआ जिले के बिलावर क्षेत्र के कहोग और नजोते के जंगलों में दो मुठभेड़ें हुई थीं। इससे पहले 15 दिसंबर को उधमपुर जिले के माजलता क्षेत्र में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक पुलिस अधिकारी बलिदान हो गए थे। घने जंगल और अंधेरे का फायदा उठाकर आतंकवादी भाग निकले थे। अधिकारियों ने बताया कि ये मुठभेड़ें पिछले साल दिसंबर में जम्मू क्षेत्र के वन क्षेत्रों में चलाए गए एक बड़े आतंकवाद विरोधी अभियान के बाद हुईं जिसमें लगभग तीन दर्जन छिपे हुए आतंकवादियों को खदेड़ दिया गया था।

दिल्ली के यमुना तट पर कुश्ती का महाकुंभ ऐतिहासिक इनामी दंगल में दिखी अखाड़ा संस्कृति

नई दिल्ली (अजय कुमार चौधरी) पूर्वी दिल्ली के यमुना तट स्थित घाट संख्या-2 पर रविवार को यमुना युवक केंद्र के तत्वावधान में

दिग्गज कांग्रेस नेता जयप्रकाश अग्रवाल और दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने बढ़ाया पहलवानों का हौसला विश्व चैंपियन दंड (11011) परम पूज्य गुरु धर्मपाल यादव जी की स्मृति में यमुना तट पर हुआ आयोजन

ऐतिहासिक इनामी कुश्ती दंगल का आयोजन पारंपरिक गरिमा और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। वर्ष 1967 से लगातार आयोजित हो रहा यह दंगल आज भी कुश्ती प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस वर्ष का आयोजन महान पहलवान स्वर्गीय धर्मपाल यादव की स्मृति को समर्पित रहा। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व सांसद जयप्रकाश अग्रवाल ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कुश्ती केवल शारीरिक बल का खेल नहीं, बल्कि अनुशासन, संयम और भारतीय परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय धर्मपाल यादव जैसे पहलवानों ने देश में कुश्ती को पहचान दिलाई और यमुना युवक केंद्र द्वारा दशकों से इस विरासत को आगे बढ़ाया जाना सराहनीय प्रयास है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने स्वर्गीय धर्मपाल यादव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पारंपरिक खेलों को संरक्षण और प्रोत्साहन देना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के अखाड़ों में अभ्यास करने वाले पहलवानों को विशेष सहयोग की आवश्यकता है और इसी दिशा में 'दिल्ली केसरी' जैसे बड़े स्तर के कुश्ती आयोजनों को बढ़ावा दिया जाना, ताकि दिल्ली के पहलवानों को बेहतर मंच मिल सके। नगर निगम पार्षद सुमन गुप्ता ने कहा कि कुश्ती जैसे पारंपरिक खेल युवाओं को अनुशासन, आत्मबल और स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करते हैं। उन्होंने नियमित स्तर पर ऐसे आयोजनों के लिए हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। दंगल संयोजक खलीफा अजय यादव ने बताया कि दंगल में देश के विभिन्न हिस्सों से आए 200 से अधिक पहलवानों ने भाग लिया। दिल्ली के अखाड़ों से आए बेहतरीन पहलवानों ने दर्शकों को बांधे रखा। विजेता पहलवानों को नकद पुरस्कार दिए गए, जबकि सभी प्रतिभागियों को भी प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। भारत केसरी पहलवान ... सिंह की मौजूदगी से पहलवानों का उत्साह और बढ़ गया। यमुना युवक केंद्र के महासचिव विजय शंकर चतुर्वेदी ने बताया कि संस्था हर वर्ष इस इनामी दंगल का आयोजन करती है, ताकि पूर्वी दिल्ली की अखाड़ा संस्कृति और देसी कुश्ती की परंपरा जीवित रह सके। उन्होंने यह भी घोषणा की कि भविष्य में यमुना युवक केंद्र द्वारा हर महीने

नियमित रूप से कुश्ती दंगल आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार, अनिल भारद्वाज, भीष्म शर्मा, महेश बघेल, जिला अध्यक्ष मो. उस्मान, सुमित शर्मा, सरदार जगतार सिंह, जयकिशन शर्मा सहित अनेक गणमान्य अतिथि, अखाड़ा गुरुजन और समाजसेवी उपस्थित रहे। इस अवसर पर 100 से अधिक समाजसेवियों को पगड़ी, स्मृति-चिह्न और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। यमुना तट पर आयोजित यह दंगल खेल, संस्कृति और सामाजिक एकता का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया, जिसने पूर्वी दिल्ली की गौरवशाली अखाड़ा परंपरा को एक बार फिर जीवंत कर दिया।

क्षमता की सराहना

नेशनल स्टार्टअप डे के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस आत्मविश्वास के साथ युवाओं की जोखिम लेने की क्षमता की सराहना की, वह बदलते भारत की आर्थिक सोच को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। उनका यह कहना कि देश के हित में आवश्यक कामों में किसी न किसी को जोखिम उठाना ही होगा और यदि नुकसान भी हो तो वह व्यक्तिगत होगा जबकि लाभ देश का- दरअसल इसी दर्शन ने भारत के स्टार्टअप आंदोलन को नैतिक और वैचारिक आधार दिया है। स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक भारत का युवा वर्ग नौकरी खोजने वाला वर्ग माना गया लेकिन बीते एक दशक में यह सोच निर्णायक रूप से बदली है। आज भारत का युवा केवल रोजगार का आकांक्षी नहीं बल्कि रोजगार सृजन करने वाला बन रहा है। इस परिवर्तन के केंद्र में मोदी सरकार की 'स्टार्टअप इंडिया' पहल ने वाकई निर्णायक भूमिका निभाई है, जिसे भारत के आर्थिक भविष्य की एक दूरदर्शी और रणनीतिक नींव के रूप में देखा जाना चाहिए। यही वह 'टर्निंग प्वाइंट' है जहां से भारत की नई उद्यमशील पीढ़ी और नीतिगत समर्थन की कहानी आगे बढ़ी। दरअसल भारत आज उस निर्णायक जनसांख्यिकीय मोड़ पर खड़ा है जहां उसकी लगभग दो-तिहाई आबादी कामकाजी आयु वर्ग में है। यही युवा शक्ति भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर भी है और सबसे बड़ी चुनौती भी। यदि यह ऊर्जा नवाचार, उद्यमिता और उत्पादन में रूपांतरित होती है तो भारत वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की क्षमता रखता है लेकिन यदि इसे सही मंच और समर्थन न मिले तो यही असंतोष और बेरोजगारी का कारण बन सकती है। इसी चुनौती को अवसर में बदलने के लिए 16 जनवरी 2016 को स्टार्टअप इंडिया मिशन की शुरुआत की गई। सरकार का उद्देश्य स्पष्ट था- नवाचार को बढ़ावा देना, उद्यमिता को संस्थागत समर्थन देना और युवाओं को एक ऐसा नीति-आधारित इकोसिस्टम उपलब्ध कराना, जहां जोखिम उठाना कमजोरी नहीं बल्कि राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया का हिस्सा बने। आंकड़ों पर गौर करें तो इस बदलाव की गहराई साफ नजर आती है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के अनुसार, दिसंबर 2025 तक भारत में दो लाख से अधिक स्टार्टअप्स आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त कर चुके हैं। आज भारत में सवा सौ एक्टिव यूनिकॉर्न हैं जबकि 2014 में इनकी संख्या मात्र चार थी। यह आंकड़ा उस विश्वास का प्रमाण है जो सरकार ने युवाओं की क्षमता पर किया है। यही नहीं, सरकारी आंकड़ों के अनुसार, DPIIT-मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स ने 2016 से 31 अक्टूबर 2024 तक 16.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं, जो Startup India पहल के प्रभाव को दर्शाता है। स्टार्टअप इंडिया की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल महानगरों तक सीमित नहीं रही।

DPIIT के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 50 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप्स टियर-2 और टियर-3 शहरों से उभरे हैं। यह तथ्य उस धारणा को तोड़ता है कि नवाचार केवल बड़े शहरों की बपौती है। छोटे शहरों और कस्बों के युवा आज एग्रीटेक, हेल्थटेक, एडटेक, फिनटेक और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में वैश्विक स्तर की कंपनियां खड़ी कर रहे हैं। वित्तीय समर्थन के मोर्चे पर भी सरकार की भूमिका केवल नीतिगत नहीं बल्कि संरचनात्मक रही है। स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम और फंड ऑफ फंड्स फॉर स्टार्टअप्स इसके प्रमुख उदाहरण हैं। सरकार द्वारा स्थापित फंड ऑफ फंड्स के तहत अब तक 10,000 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी जा चुकी है, जिसके माध्यम से वैकल्पिक निवेश कोषों के जरिए स्टार्टअप्स को पूंजी उपलब्ध कराई जा रही है। यह मॉडल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार सीधे बिजनेस में दखल नहीं दे रही बल्कि पूंजी प्रवाह का मार्ग खोल रही है। नीतिगत सुधारों ने भी स्टार्टअप संस्कृति को मजबूती दी है। इन्कम टैक्स छूट, एंजेल टैक्स में राहत, सेल्फ- सर्टिफिकेशन, तेज पेटेंट प्रक्रिया और ट्रेडमार्क शुल्क में छूट जैसे निर्णयों ने यह संकेत दिया कि सरकार स्टार्टअप्स को शक की निगाह से नहीं बल्कि विकास के भागीदार के रूप में देखती है। Startup India पोर्टल के अनुसार, हजारों स्टार्टअप्स इन टैक्स और नियामकीय सुविधाओं का लाभ उठा चुके हैं। स्टार्टअप्स, डिफेंस प्रोडक्शन, ग्रीन एनर्जी, सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन और डीप टेक जैसे क्षेत्रों में युवाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी को खोलने के बाद सरकार ने IN-SPACe जैसे संस्थागत ढांचे बनाए, जिससे युवा उद्यमियों को ISRO के इन्फ्रास्ट्रक्चर और तकनीकी सहयोग तक पहुंच मिली। जमीनी हकीकत बताती है कि भारत में स्पेस स्टार्टअप्स की संख्या बीते कुछ वर्षों में कई गुना बढ़ी है। फिनटेक के क्षेत्र में भारत आज दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल पेमेंट बाजारों में शामिल है। PI आधारित भुगतान प्रणाली ने न केवल वित्तीय समावेशन को गति दी बल्कि सैकड़ों फिनटेक स्टार्टअप्स को जन्म दिया। यह परिवर्तन किसी निजी प्रयोग का परिणाम नहीं बल्कि सरकारी डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का नतीजा है, जिसे स्टार्टअप इंडिया इकोसिस्टम ने व्यावसायिक समाधान में बदला। इस पूरे बदलाव का सबसे गहरा असर मानसिकता पर पड़ा है। आज का युवा केवल नौकरी की सुरक्षा नहीं बल्कि समस्या का समाधान खोजने की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बार-बार 'जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर' बनने का आह्वान केवल भाषणों तक सीमित नहीं रहा बल्कि स्टार्टअप इंडिया के माध्यम से एक नीतिगत वास्तविकता बन चुका है। यही कारण है कि भारत आज दुनिया के शीर्ष तीन स्टार्टअप इकोसिस्टम्स में गिना जाता है। भविष्य की दृष्टि से देखें तो स्टार्टअप इंडिया भारत के 'विकसित भारत 2047' लक्ष्य का आर्थिक इंजन बनता दिख रहा है। नवाचार, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा- तीनों का संगम इसी इकोसिस्टम में दिखाई देता है। स्वामी विवेकानंद जिस आत्मविश्वासी, कर्मशील और राष्ट्र-निर्माता युवा की कल्पना करते थे, स्टार्टअप इंडिया उस कल्पना की आधुनिक अभिव्यक्ति है। आज भारत का युवा केवल अपना भविष्य नहीं संवार रहा, बल्कि भारत की आर्थिक दिशा तय कर रहा है। यही स्टार्टअप इंडिया की सबसे बड़ी सफलता है और यही भारत के बदलते भविष्य की असली पहचान।

नबीन ही पार्टी का फैसला लेने वाले इस सर्वोच्च इकाई के अध्यक्ष होंगे

भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तारीख जारी हो गई है। पार्टी अध्यक्ष के चुनाव के लिए राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी बनाए गए डॉ.के.लक्ष्मण ने चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है। संगठन पर्व - 2024 के तहत जारी की गई अधिसूचना के मुताबिक, पार्टी ने शुक्रवार को ही निर्वाचक मंडल सूची का प्रकाशन कर दिया है। पार्टी अध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन भरने की प्रक्रिया 19 जनवरी से शुरू हो जाएगी। 19 जनवरी को ही दोपहर 2 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल किया जा सकता है। इसी दिन शाम को 4 से 5 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। शाम 5 से 6 बजे तक नाम वापस लिया जा सकता है। अगर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद के लिए एक से अधिक नेता नामांकन भरेंगे तो 20 जनवरी को चुनाव करवाया जाएगा। हालांकि यह भी एक तथ्य है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद के लिए बीजेपी में कभी भी चुनाव की नौबत नहीं आई है। इसलिए यह तय माना जा रहा है कि 20 जनवरी को सर्वसम्मति से पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर नितिन नबीन के चुने जाने का ऐलान कर दिया जाएगा। हाल ही में पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए नितिन नबीन के पूर्णकालिक अध्यक्ष बनने के साथ ही पार्टी में नए और बड़े बदलाव की शुरुआत हो जाएगी। नितिन नबीन बीजेपी के न केवल सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे बल्कि वह पार्टी के पहले ऐसे राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे जिनका जन्म पार्टी की स्थापना के बाद हुआ है। बीजेपी की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी जबकि नितिन नबीन का जन्म इसके 47 दिन बाद 23 मई 1980 को हुआ था। ऐसे में अब बीजेपी आलाकमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह साबित करने की भी है कि युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष की ताजपोशी सिर्फ प्रतीकात्मक बदलाव का पर्याय भर बन कर न रह जाए। वहीं नई बीजेपी में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को भी संतुलन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका दिया जाना बहुत जरूरी है। यही वजह है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद बिहार से आने वाले इन युवा नेता के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी टीम का गठन करना होगा।

पार्टी संविधान के मुताबिक, पार्टी में सर्वोच्च फैसला लेने वाली इकाई पार्टी का संसदीय बोर्ड है। इसके बाद केंद्रीय चुनाव समिति का नंबर आता है जो चुनाव के समय उम्मीदवारों का चयन करता है। फिलहाल संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष जेपी नड्डा है लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष बन जाने के बाद नितिन नबीन ही पार्टी का फैसला लेने वाले इस सर्वोच्च इकाई के अध्यक्ष होंगे। वर्तमान में नड्डा के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राजनाथ सिंह, अमित शाह, बी एस येदियुरप्पा, सर्बानंद सोनोवाल, के.लक्ष्मण, इकबाल सिंह लालपुरा, सुधा यादव और सत्यनारायण जटिया संसदीय बोर्ड के सदस्य हैं। वहीं पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष संसदीय बोर्ड के सचिव के तौर पर इसमें शामिल हैं। इनमें से बीएल संतोष को छोड़कर बाकी सभी नेता 60 से ज्यादा उम्र के हैं। संसदीय बोर्ड के ये सारे सदस्य पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति के भी सदस्य हैं। संसदीय बोर्ड में शामिल इन 11 नेताओं के अलावा भूपेन्द्र यादव, देवेंद्र फडणवीस, ओम माथुर, और वनथी श्रीनिवासन केंद्रीय चुनाव समिति में शामिल हैं। सरकार के नेता के तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नितिन नबीन की अध्यक्षता वाले पार्टी के संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति दोनों में ही शामिल रहेंगे। वहीं सरकार और पार्टी के अहम नेता के तौर पर अमित शाह भी इन दोनों समितियों का हिस्सा रहेंगे। लेकिन युवा नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी देने के लक्ष्य और नई बीजेपी के गठन के लिए कई दिग्गज नेताओं को इससे बाहर जाना ही पड़ेगा। इन दोनों समितियों का पुनर्गठन करने के बाद पार्टी अध्यक्ष के तौर पर नितिन नबीन को अपनी राष्ट्रीय टीम - यानी राष्ट्रीय उपाध्यक्षों, राष्ट्रीय महासचिवों, राष्ट्रीय सचिवों और राष्ट्रीय प्रवक्ताओं के साथ-साथ विभिन्न मोर्चों, समितियों और विभागों के मुखियाओं की भी नियुक्ति करनी पड़ेगी। यह बात तो साफ है कि सारे फैसले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सहमति से ही लिए जाएंगे। हालांकि राजनाथ सिंह और वसुंधरा राजे सिंधिया जैसे नेताओं के बारे में अंतिम फैसला करने से पहले संघ से भी चर्चा की जाएगी। पार्टी की राष्ट्रीय टीम में ऐसे कई अन्य नेता भी शामिल हैं जो अपने-अपने राज्यों के मुख्यमंत्री के करीबी माने जाते हैं और इसलिए उन्हें हटाने से पहले कई समीकरणों का ध्यान भी रखना पड़ेगा। ऐसे में यह देखना बहुत दिलचस्प रहेगा कि नितिन नबीन इन तमाम चुनौतियों से निपटते हुए अपनी नई टीम कैसे तैयार कर पाते हैं और कैसे तमाम उम्र के नेताओं यानी सीनियर एवं युवा के बीच संतुलन बना पाने में कामयाब हो पाते हैं।

सम्पादकीय...

निष्पक्ष, निर्भिक, निडर

जरा सी आहट होती है तो दिल सोचता है कि अश्विनी जी तो नहीं, सच में आज 6 वर्ष हो रहे हैं तब भी मन को विश्वास नहीं होता कि वो फिजिकली नहीं हैं। क्योंकि वो उनके साथ एक-एक पल बिताना और दूसरा वो इतने धनी व्यक्तित्व वाले इंसान थे कि उनके न होने का अहसास कभी हो ही नहीं सकता। वो मेरे बचपन के साथी थे। एक सफल क्रिकेटर जिन्होंने क्रिकेट देश के लिए उस समय छोड़ी (इमरजैंसी के कारण) जब वह कैरियर की बुलंदी पर थे। फिर उन्होंने अपने पिता, दादा की इच्छा के अनुसार कलम उठाई और उनकी कलम में उनके दादा और पिता का मिश्रण था। निष्पक्ष, निर्भिक, निडर पत्रकार जिनकी कलम न किसी के आगे झुकी, न रुकी। यह उनकी कलम की ताकत थी कि उन्होंने पंजाब केसरी को राष्ट्रीय समाचारपत्र बना दिया। उनके सम्पादकीय जगह-जगह पढ़े जाते और फोटो कॉपी करके बांटे जाते। यही नहीं दिल्ली में अखबार चलाना खालाजी का घर नहीं था परन्तु उन्होंने हर विरोधी ताकत का डटकर मुकाबला किया। यहां तक कि हॉकरों के साथ बैठकर अखबार बेची और उनके साथ सुबह-सुबह चाय की चुसकियां भी लीं। इमरजैंसी में उन्होंने अपने दादा, पिता, चाचा के साथ मिलकर ट्रैक्टर से अखबार छापी। जब उनकी प्रेस की बिजली काट दी गई थी। छोटी उम्र में दादा और पिता की शहीदी देखी, अपने ऊपर आतंकवादियों के वार सहे परन्तु कभी हिम्मत नहीं हारी। उस छोटी सी उम्र में वह दादा के गोलियों से छलनी शरीर और पिता का छलनी शरीर गोदी में उठाकर घर लाए। उस छोटी उम्र में अपने सारे परिवार का दायित्व सम्भाला। जब छोटी उम्र में पिता का साया उठ जाए तो कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। कई अपने बेगाने भी हो जाते हैं, पर अश्विनी जी मजबूती से डटे रहे। मुझे भी हर पल अपने साथ रखते और काम भी समझाते, क्योंकि आज मैं जो भी हूं, जो भी लिखना सीखा और मुसीबतों का डटकर मुकाबला करना सीखा सब उनकी देन है। वो मेरे पति, मित्र, गुरु सभी कुछ थे। हम दोनों एक-दूसरे को हमेशा सही-गलत बताते थे। एक-दूसरे के आलोचक भी थे और दो अलग स्तम्भ भी थे, परन्तु हमेशा साथ-साथ चलते, हमेशा साथ-साथ काम करते थे।उन्होंने छोटों से लेकर टॉप तक मित्रता बनाई। सबके दिलों को अपनी सच्चाई से छुआ। आज भी उनके कई मित्र, कई लोग मिलते हैं जो उनकी अच्छाई, सच्चाई और भोलेपन को भी याद करते हैं। उनके चरित्र के दो पहलू थे। एक तरफ वो बहुत ज्ञानी थे, जिन्होंने वेद पढ़े हुए थे। हिस्ट्री, ज्योग्राफी, पॉलिटिकल, धर्म, ज्योतिष का पूरा ज्ञान था। दूसरी तरफ बहुत शरारती, नटखट, मिलनसार और बच्चों की तरह भोलापन था। कोई छल-कपट नहीं था। अगर वो किसी के हो जाते तो दिल से उसकी दोस्ती, रिश्ता निभाते। अगर किसी से नाराज होते तो उसको भी घर तक पहुंचाते थे। हां उनकी एक खासियत थी कि अगर कोई व्यक्ति अहंकार में होता या अवसरवादी हो तो उसकी परवाह नहीं करते थे। वह कहते थे उसे हमें याद करना चाहिए और दूसरी तरफ अगर किसी व्यक्ति के दिन बुरे होते तो वह उसको उठाते थे, बहुत सहायता करते थे। आज छोटे से बड़े तक बहुत लोग मिलेंगे जो कहेंगे अश्विनी जी ने उनकी मदद की।अश्विनी जी जब करनाल से एमपी बने तो बहुत अधिक मतों से जीते तो लोगों के दिलों में उन्होंने राज किया। आज भी उनकी याद में उनके कामों को याद करते लोग फोन करते रहते हैं और एक ही पंक्ति बोलते हैं कि ऐसा एमपी हमें कभी नहीं मिलेगा जो राजनीतिक नहीं समाजसेवी थे।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर का पहला चरण कामयाब रहा है- राज्य में चुनाव-ईडी छापा

पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के छापे को लेकर खूब राजनीति हो रही है और विवाद भी बढ़ा हुआ है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दूसरे विपक्षी नेताओं या मुख्यमंत्रियों से अलग हैं। वे जो होता है, उसे होने देने रहने वाली नेता नहीं हैं। इसलिए, उन्होंने प्रतिकार किया और सड़क पर उतर कर भी आंदोलन किया। उनकी पुलिस ने उनका साथ दिया और ईडी के अधिकारियों के खिलाफ ही कई मुकदमे दर्ज हो गए। लेकिन ऐसा पहली बार नहीं हुआ कि किसी राज्य में चुनाव होने वाला हो और ईडी ने वहां छापे मारे। यह पिछले कई सालों से एक परंपरा बन गई है कि जिस राज्य में चुनाव होने वाला होता है वहां चुनाव से ठीक पहले ईडी छापा मारने पहुंच जाती है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में छापा पांच साल पुराने कोयला तस्करी के मामले में मारा गया है। उसकी एफआईआर 2020 में दर्ज की गई थी और छापा मारा गया 2026 के चुनाव से पहले। इसी तरह झारखंड और दिल्ली में भी ईडी ने पुराने मामलों में कार्रवाई के लिए चुनाव के ऐन पहले का वक्त चुना और वहां के मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को गिरफ्तार किया। महाराष्ट्र में भी ऐसा ही हुआ था। अंतर यह है कि बाकी राज्यों में नेता उतने लड़ाकू नहीं हैं, जितनी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हैं। इसलिए बंगाल का मामला राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में है और ममता ने इसे अपने पक्ष में इस्तेमाल कर लिया है।

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को गहरा झटका

पीएसएलवी रॉकेट की 62वीं उड़ान की नाकामी से भारत की उच्चाकांक्षी महत्वाकांक्षा को गहरा झटका लगा है। यह झटका इसलिए अधिक गंभीर है, क्योंकि पिछले साल मई में पीएसएलवी की 61वीं उड़ान भी फेल हो गई थी। पीएसएलवी-सी62 एक साथ 16 उपग्रहों को लेकर 12 जनवरी को उड़ा, लेकिन उड़ान के तीसरे चरण में उससे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का संपर्क टूट गया। वे उपग्रह कहां गए, यह भी पता नहीं चल सका था। पीएसएलवी-सी61-ईओएस-09 के साथ भी ठीक यही हुआ था। यानी इसरो के वैज्ञानिक साल महीनों के दौरान

उस खामी से निजात नहीं पा सके, जिस कारण बीते मई में उनका मिशन नाकाम हुआ। उस नाकामी की जांच के लिए समिति बनी थी, जिसकी रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजी गई, जहां उसे गोपनीय श्रेणी में डाल कर रखा गया है। यानी जिन करदाताओं के पैसे से इसरो चलता है, उन्हें इस सूचना से वंचित रखा गया है कि उनका पैसा क्यों बर्बाद हुआ। अब फिर वैसा ही हादसा ज्यादा बड़े पैमाने पर हुआ है। विश्वास का जो संकट पैदा हुआ है, वह इससे अलग है। इस विकट स्थिति से निकलने का उचित तरीका यही होगा कि भारत सरकार और इसरो पूरी पारदर्शिता बरतें। नाकामियों के लिए जवाबदेही तय करना भी जरूरी है। आखिर बिना पुरानी खामी को दूर किए अगले लॉन्च को कैसे हरी झंडी दी गई, यह देश को मालूम होना चाहिए। पीएसएलवी-सी62 डीआरडीओ का अन्वेष उपग्रह भी ले जा रहा था। यानी इस नाकामी का असर भारत की रक्षा तैयारियों पर भी पड़ेगा।

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगेगा?

पश्चिम बंगाल में कमाल हो रहा है। तृणमूल कांग्रेस के साथ-साथ भाजपा भी चुनाव आयोग से नाराज है। भाजपा के नेता भी ताल ठोक रहे हैं कि चुनाव नहीं होने देंगे। माना जा रहा है कि यह कोई डिजाइन है, जिसका मकसद ऐसे हालात पैदा करना है, जिससे चुनाव टल जाए। अगर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की गड़बड़ियों के बहाने चुनाव टलता है तो राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ेगा और भाजपा के कई नेता मानते हैं कि बिना राष्ट्रपति शासन लगाए बंगाल में ममता बनर्जी को हराना मुश्किल होगा। बहरहाल, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने कहा है कि उनकी पार्टी के लोग फॉर्म सात जमा कर रहे हैं लेकिन आयोग सबके नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं कर रहा है। भट्टाचार्य का कहना है कि अगर भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से जमा कराए गए फॉर्म सात के आधार पर मतदाता सूची में सुधार नहीं होता है तो भाजपा चुनाव नहीं होने देगी। दूसरी ओर ममता बनर्जी चार चिट्ठियां चुनाव आयोग को लिख चुकी हैं और कहा है कि मनमाने आधार पर लोगों के नाम काटे जा रहे हैं या लोगों को परेशान किया जा रहा है। हालांकि मोटे तौर पर पश्चिम बंगाल में एसआईआर का पहला चरण कामयाब रहा है। कुल 58 लाख लोगों के नाम कटे हैं। उसमें भी यह शिकायत नहीं है कि किसी खास जाति, समुदाय या क्षेत्र विशेष के लोगों के नाम ज्यादा कटे हैं। फिर भी दोनों मुख्य पार्टियां चुनाव आयोग से नाराज हैं।

राज ठाकरे ने कहा मुंबई अब अदाणीस्तान

मुंबई में बीएमसी चुनाव से पहले उद्धव और राज ठाकरे की साझा रैली हुई और उस रैली में राज ठाकरे ने तमिलनाडु या बिहार, उत्तर प्रदेश के लोगों को लेकर जो कहा उसकी बड़ी चर्चा हुई कि राज ठाकरे ने बजाओ पुंगी, हटाओ लुंगी का नारा दोहराया, उन्होंने हिंदी भाषी लोगों को पीटने की बात कही। लेकिन राज ठाकरे ने देश के दूसरे सबसे बड़े कारोबारी गौतम अदाणी पर जो हमला किया उसकी खबर अखबारों और टीवी चैनलों से पूरी तरह से गायब हो गई। वह बहुत बड़ी बात है कि राज ठाकरे ने गौतम अदाणी का नाम लेकर हमला किया और कहा कि मुंबई को अदाणीस्तान बनाया जा रहा है। ऐसा कह कर उन्होंने एक तरह से लोकप्रिय धारणा को आवाज दी। राज ठाकरे ने कहा कि मुंबई और नवी मुंबई हवाईअड्डे पर अदाणी का कब्जा हो गया। उन्होंने कहा कि धारावी विकास परियोजना और मुंबई हवाईअड्डे की सारी जमीनें अदाणी को देने की तैयारी हो रही है। राज ठाकरे ने एक नक्शे के जरिए दिखाया कि 2014 के बाद से अदाणी को कौन-कौन सी परियोजनाएं मिली हैं। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले अदाणी सीमेंट के कारोबार में नहीं थे लेकिन आज दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट उत्पादक कंपनी उनकी है। राज ठाकरे ने यह भी कहा कि उनकी सीमेंट कंपनी से ही सरकारी परियोजनाओं में सीमेंट की आपूर्ति हो रही है। लेकिन अदाणी पर इस हमले की खबर अखबार, चैनल और यहां तक कि वेबसाइट्स से भी गायब रही।

मैली यमुना में क्रूज चलाने की तैयारी

एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक साल में दिल्ली में यमुना और ज्यादा मैली हो गई है। साफ होने की बजाय उसमें पहले से ज्यादा झाग बनने लगे हैं और नालों से आने वाली गंदगी के कारण पानी में मल की मात्रा पहले से ज्यादा बढ़ गई है। अब दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कह रही कह रही हैं कि उन्हें तो एक ही साल मिला है, जबकि आम आदमी पार्टी की सरकार 11 साल रही थी। वे भी अब यमुना की सफाई के लिए 11 साल का समय मांग रही हैं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि उनके पर्यटन मंत्री उसी यमुना में क्रूज चलाने की तैयारी में जुटे हैं। यह सबको पता है कि यमुना की सफाई का सिर्फ दिखावा हो रहा है। सरकार कोई गंभीर कदम नहीं उठा रही है। आखिर साढ़े ग्यारह साल के नरेंद्र मोदी के राज में हजारों करोड़ खर्च करके भी गंगा को साफ नहीं हुई है, उसके लिए 11 साल भी मिल जाएं तब भी यमुना साफ नहीं होगी। लेकिन यह दिखाने के लिए यमुना स्वच्छ का काम चल रहा है और धारणा बनाने के लिए पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा क्रूज चलाने की तैयारी में जुटे हैं। इसके लिए वे मुंबई पहुंचे और वहां क्रूज कंपनी के साथ मीटिंग भी की। यमुना रिवरफ्रंट परियोजना के तहत लक्जरी क्रूज चलाने की योजना बनी है। लेकिन अभी एक प्रतिशत भी स्पष्ट नहीं हुई है और न रिवरफ्रंट का काम शुरू हुआ लेकिन पर्यटन मंत्री एक क्रूज के सामने फोटो खिंचवा आए हैं।

ठाकरे परिवार का सितारा अस्त

आखिरकार इतने वर्षों बाद बीएमसी में ठाकरे परिवार का सितारा अस्त हो गया, भाजपा वाले तहे दिल से इसके लिए राज ठाकरे का शुक्रिया अदाकर रहे हैं। ठाकरे परिवार के 'हिंदुत्व' पर पहली बार भाजपा के 'हिंदुत्व' का सिक्का चल गया। बीएमसी चुनाव शिवसेना उद्धव के अस्तित्व के लिए एक अग्नि परीक्षा समान था, क्योंकि बीएमसी का बजट इतना बड़ा था कि उद्धव को पार्टी चलाने के लिए ईंधन यहीं से प्राप्त होता था। सूत्रों की मानें तो बीएमसी चुनाव से ऐन पहले उद्धव व राज ठाकरे की मौजूदगी में उनके कोर ग्रुप की एक अहम बैठक आहूत हुई थी। जिसमें माना जाता है कि उद्धव ने राज से आग्रह किया कि उन्हें न तो उत्तर भारतीयों के खिलाफ, न ही दक्षिण भारतीयों या फिर गुजरात के लोगों के खिलाफ किसी भी प्रकार की अभद्र भाषा का उपयोग करना है, क्योंकि यह अब पहले वाली मुंबई नहीं रह गई है, जिस पर 70 फीसदी मराठी लोगों का दबदबा है। अब यह बराबर का आंकड़ा है, पर राज ठाकरे कहां अपनी आदत से बाज आने वाले थे वे तो 'लुंगी को पुंगी बनाने की सम्मलाई' आस्वादन में जुट गए। फिर जो नतीजे आए गैर मराठी इलाकों मसलन उत्तर व पूर्वी मुंबई से शिवसेना उद्धव और मनसे साफ हो गई। हां, मराठी बहुल दक्षिण व सेंट्रल मुंबई ने इन दोनों भाइयों की बची-खुची इज्जत बचा ली, पर 65 सीट जीत कर भी उद्धव की पार्टी के जीत का स्ट्राइक रेट जहां मात्र 39 फीसदी रहा, भाजपा ने अपना स्ट्राइक रेट 66 फीसदी कर लिया, वहीं बड़बोले व बददिमाग राज ठाकरे की पार्टी का स्ट्राइक रेट मात्र 11 फीसदी रहा। अपने दम पर लड़ रही कांग्रेस ने 16 फीसदी स्ट्राइक रेट के हिसाब से दलित व मुस्लिम इलाकों में अच्छा प्रदर्शन किया, वह 24 सीटें जीत गई। उद्धव ने राज से यह भी आग्रह किया था कि वह कम सीटों पर चुनाव लड़ लें, पर राज 53 सीटों की डिमांड पर अड़ गए थे। अब उद्धव को लग रहा है कि उन्हें राज के बजाए कांग्रेस के साथ जाना चाहिए था, तब शायद उनकी इतनी बुरी हालत नहीं होती और राज भी तब अकेले लड़ते और 1-2 सीटों पर सिमट जाते और तब शायद राज को उनकी असली औकात का अंदाज़ा भी हो जाता।

घर का भेदी थरूर कहलाए

केरल कांग्रेस कोर कमेटी की एक अहम बैठक आहूत थी, जो आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की रणनीति तय करने के लिए बुलाई गई थी। इस बैठक में शशि थरूर को आमंत्रित ही नहीं किया गया था। इस बात को लेकर ?शशि थरूर ने जमीन-आसमान एक कर दिया कि उन्हें भी बैठक में शामिल होना है। इसके बाद केरल कांग्रेस प्रमुख के.सुधाकरन ने फौरन दिल्ली बात की और उन्हें इस पूरे वाकये से अवगत कराया। दिल्ली के कहने पर शशि थरूर को उस जरूरी मीटिंग का हिस्सा बना लिया गया। कहते हैं उस बैठक में कांग्रेस के मात्र 14 नेता शामिल थे, जिन्हें साफ ताकीद दी गई थी कि इस मीटिंग के बारे में किसी को भी मीडिया से कोई बात नहीं करनी है और न ही कोई बयान देना है, क्योंकि यहां आगामी चुनाव को लेकर पार्टी की अहम चुनावी रणनीति के बारे में बात हो रही है। पर आदत से मजबूर थरूर ने कुछ लोकल चैनल से बात कर ली, उन्हें पार्टी की अहम रणनीतियों के बारे में ज्यादा कुछ तो नहीं बताया, पर जब अगले दिन का अखबार आया तो उसमें उस बैठक की पूरी रिपोर्ट आद्योपांत छपी थी, हर छोटी-बड़ी डिटेल्स के साथ। कांग्रेस के आला नेताओं के मुंह खुले रह गए, फौरन दिल्ली शिकायत की गई, यह मोर्चा केसी वेणुगोपाल ने संभाला तो पार्टी अध्यक्ष खड़गे के ऑफिस से वेणुगोपाल से कहा गया 'आइंदा से इन्हें (थरूर को) किसी मीटिंग में बुलाने की कोई जरूरत नहीं है, इस बात का सदा ध्यान रखा जाए।'

बीजू जनता दल में बगावत

बीजू जनता दल ने अपने पटकुरा विधानसभा से विधायक अरविन्द महापात्रा को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए छह वर्षों के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। सनद रहे कि अरविन्द ओडिशा के वरिष्ठ राजनेता बिजय महापात्रा के पुत्र हैं, बिजय महापात्रा बीजू जनता दल के को-फाउंडर रहे हैं और 2000 में नवीन पटनायक ने इनके चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी थी। दरअसल अपने खराब स्वास्थ्य के मद्देनजर नवीन पटनायक इन दिनों बीजद के लिए काफी कम समय निकाल पाते हैं, राजनीतिक पर्यवेक्षकों को भी लगता है कि धीरे-धीरे बीजद भी एक डूबते जहाज में शुमार होता जा रहा है। सो, कई लोग जो पुराने जनता दल की पृष्ठभूमि से हैं वे राज्य में एक गैर भाजपा व गैर कांग्रेस दल के गठन के पक्षधर हैं। माना जाता है कि अरविन्द महापात्रा ने इसकी पहल की और उनके आवास पर बीजद के 18 विधायक जुटे जिन्होंने एक नए दल के गठन पर अपनी सहमति दर्ज कराई। समझा जाता है कि आने वाली गर्मियों तक इस नए दल का ऐलान हो सकता है। यह खबर जब नवीन पटनायक को लगी तो उन्होंने आनन-फानन में अपनी पार्टी के दो विधायकों यानी अरविन्द महापात्रा और सनातन महाकुड को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। पर पार्टी में बगावत की लुत्ती तो लग चुकी है।

क्या धामी को अभयदान मिल गया है?

एकबारगी फिर से जब अंकिता हत्याकांड मामले को लेकर उत्तराखंड सुलग रहा है, इसकी तपिश भाजपा आभामंडल को बेतरह झुलसा रही है और ऐसे में कयासों के बाजार गर्म थे कि क्या इस मामले में भाजपा ने मुख्यमंत्री धामी के रूप में बलि का बकरा ढूंढ लिया है? यहां तक कि धामी के उत्तराधिकारियों के नाम भी सियासी हलकों में मचलने लगे थे। इसी बीच धामी दिल्ली जाते हैं, माना जाता है कि एक तरह से उन्हें अभयदान मिल गया लगता है। सूत्रों का दावा है कि धामी ने अपनी ही पार्टी के कुछ नेताओं के बकायदा नाम लिए और अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि ये लोग हैं (मसलन रितु खंडूरी, अनिल बलूनी आदि) जो इन्हें ठीक से काम नहीं करने दे रहे और न ही इस वजह से वे अपने मंत्रिमंडल का पूर्ण विस्तार ही कर पा रहे हैं। सनद रहे कि यहां की विधानसभा स्पीकर रितु खंडूरी को पार्टी के केंद्रीय महामंत्री बीएल संतोष का पूरा समर्थन हासिल है, पार्टी के एक बड़े नेता भी रितु खंडूरी को राज्य की अगली मुख्यमंत्री के तौर पर देखना चाहते हैं, इस मुहिम को भाजपा के बड़े नेताओं का भी समर्थन प्राप्त बताया जाता है। वहीं एक और नेता हैं धन सिंह रावत जो गुजरात लॉबी के सहारे खुद को मुख्यमंत्री पद की रेस में बरकरार रख रहे हैं, अनिल बलूनी तो हमेशा की तरह एक शाश्वत उम्मीदवार हैं। सौरभ बहुगुणा भी इस बहती गंगा में हाथ धोने को आतुर हैं। कहते हैं धामी ने इन नेताओं के कारनामों की एक मोटी फाइल ऊपर तक पहुंचा दी है और साथ ही अपनी मंशा भी स्पष्ट कर दी है कि 'अगर भाजपा भ्रष्टाचार से कोई समझौता न करने की अपनी घोषित नीति के साथ ही आगे बढ़ना चाहता है तो फिलवक्त उनके पास धामी से साफ-सुथरा कोई दूजा चेहरा नहीं है।' समझा जाता है कि अब पार्टी की ओर से भी धामी को इशारा मिल गया है कि वे गुजरात मॉडल की तर्ज पर ही अब अपने मंत्रिमंडल को नया चेहरा-मोहरा प्रदान कर सकते हैं, सो, धामी गुजरात मॉडल को उत्तराखंड में दुहराने की तैयारियों में जुट गए हैं, भले ही उत्तराखंड में सड़क पर जनता हो, पर धामी की हर सड़क दिल्ली तक जाती है, क्योंकि देवभूमि में इन दिनों आवाजें हिरासत में मौन हैं।

भाजपा में ओबीसी नेताओं का उभार

भाजपा आज की तारीख में सबकी पार्टी है। हर धर्म हर जात को तवज्जो मिल रही है। पीएम मोदी पिछड़ों की राजनीति के नए चैंपियन बन कर उभरे, उनकी इसी सोच की बदौलत विभिन्न भाजपा शासित राज्यों में भी पिछड़ी जाति से ताल्लुक रखने वाले नेताओं की निकल पड़ी।

मिसाल के तौर पर बिहार में सम्राट चौधरी, यूपी में केशव प्रसाद मौर्य या फिर हरियाणा में नायब सिंह सैनी। एक मजे की बात देखिए कि सम्राट, मौर्य व सैनी के आपसी रिश्ते भी बेहद मधुर, दोस्ताना व सामंजस्यपूर्ण हैं। इस बार के बिहार विधानसभा चुनाव में जब तारापुर में सम्राट जमीन पर थोड़े कमजोर दिख रहे थे तो स्वयं योगी आदित्यनाथ ने उन्हें फोन कर चुनाव प्रचार के लिए तारापुर आने की इच्छा व्यक्त की थी, पर चतुर सुजान सम्राट इस प्रस्ताव को हवा में उड़ा गए, बोले- 'मेरी सीट तो निकल ही रही है, आपको वहां जाना चाहिए जहां हमारे उम्मीदवार कांटे की लड़ाई में फंसे हैं।'

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार घाटे ने कन्हा ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार घाटे, मो.: 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2019/…)

स्वयंसेविकाओं ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर किया जागरूक

मुरादाबाद।

स्वंय सेविकाओं ने चनियत क्षेत्र पैपटपुरा (मंडी समिति) में जन संपर्क भी किया तथा रैली के माध्यम से क्षेत्रवासियों को पर्यावरण के प्रति जागरुक किया गया ।

दिव्य सरस्वती बालिका इन्टर कॉलेज प्रेमनगर, लाइनपार मुरादाबाद में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का षष्ठम दिवस सामाजिक वानिकी वृक्षारोपण, पर्यावरण कार्यक्रम व माय भारत पोर्टल दिवस के रुप में मनाया गया। इसके बाद स्वंय सेविकाओं ने चनियत क्षेत्र पैपटपुरा (मंडी समिति) में जन संपर्क भी किया तथा रैली के माध्यम से क्षेत्रवासियों को पर्यावरण के प्रति जागरुक किया गया । रैली में स्वाति ,लवी, मानसी,याशिका दिवाकर. निधि चौधरी ,रिया सैनी, यशी कश्यप,महक रानी, नेहा सैनी , साक्षी वर्मा, मनीषा,कनक कुमारी, काजल कुमारी,शालिनी सागर, पायल प्रजापति ,प्रतिज्ञा ,शेक्षी , शगुन राघव,मनीषा ,रिया सैनी,कनक शर्मा,गुनगुन,कौशी सैनी,अर्शिता , परमीत कौर,उमा सैनी,भूमि,नैना कुमारी,दीपंशी ,संध्या ,अनामिका ,'योति सैनी,शालिनी ,गुनगुन चंदा, रिया राजभर,कुमकुम शर्मा, परिधि, अनन्या गौतम,आकृति सारस्वत, निशा, हिमांशी ,अनुराधा .इशिका सैनी,रिया सैनी,मानसी ,वंशिका ,शशि गुप्ता आदि विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। रैली का कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी रंजना गौड़ ने किया। बौद्धिक सत्र में निबंध , भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्वंय सेविकाओं के माध्यम से क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया । स्वंय सेविकाओं ने क्षेत्र में घर घर जाकर क्षेत्रवासियों से संपर्क किया तथा उन्हें वृक्षारोपण व पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। शिविर के बौद्धिक सत्र में स्वंय सेविकाओं को अशोक कुमार ने माय भारत पोर्टल के विषय में जानकारी दी। अशोक कुमार ने स्वंय सेविकाओं माय भारत पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन व इसके महत्व के विषय में समझाया। इस अवसर पर नरेश सैनी , भूपेंद्र सैनी, राजीव शर्मा , मनीषा कश्यप,नीतू सक्सेना , अंजू रस्तोगी, निर्मला कश्यप आदि शिक्षक-शिक्षिका उपस्थित रही।

विधायक ने किया पांच सड़कों के निर्माण कार्य का शुभारंभ

मुरादाबाद।

कुंदरकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह के आज मूंढापांडे ब्लॉक में गोविंदपुर सवटू नगला मोड़ एवं करनपुर सरकड़ा रोड़ मिलक से 4 करोड़ 19 लाख से बनने वाली 5 सड़कों का भूमि पूजन एवं शिलान्यास कर निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया। इसमें दलपतपुर अलीगंज मार्ग का चौड़ीकरण सौंदर्गीकरण कार्य लंबाई 1 किमी लागत 267.65 लाख, बूजपुर मान से लाढपुर सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 1 किमी लागत 64.15 लाख, एन एच अलीगंज (एम डी आर-174 डब्लयू) के किमी. 04 गोविंदपुर वाया सकटूनगला हमीरपुर तक विशेष मरम्मत योजना अंतर्गत सी.सी. नाली निर्माण कार्य लंबाई 300 मीटर लागत 37.38 लाख, डी.ए रोड किमी.09 से वायीं और सरकड़ा खास सम्पर्क मार्ग विशेष मरम्मत कार्य लंबाई 370 मीटर लागत 37.23 लाख और एन एच 24 के किमी.-176 से मूंढापांडे खाईखेड़ा अफजल पुर मुड़िया करनपुर दलपतपुर अलीगंज के किमी.-9 तक विशेष मरम्मत के अंतर्गत सी. सी एवं नाली निर्माण कार्य लंबाई 100 मीटर लागत 13.20 लाख शामिल है। इस अवसर पर कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह ने कहा कि सड़कों का निर्माण ग्रामीण विकास की रीढ़ है। उन्होंने कहा, आज जिन पांच महत्वपूर्ण सड़कों का भूमि पूजन और शिलान्यास हुआ है, ये केवल सड़कें नहीं बल्कि आपके विश्वास की नींव हैं।

विधायक बनने के बाद मैंने ठाना था कि विकास की रोशनी गांव की गलियों तक पहुंचेगी और आज उसी संकल्प को पूरा करने की दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। सड़क निर्माण से आवागमन सुगम होगा तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़े कार्यों में तेजी आयेगी. उन्होंने आश्वस्त किया कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर कोई समझौता नहीं किया जायेगा। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख मुंढापांडे डॉ नवदीप यादव, मंडल अध्यक्ष नीरज चंद्रा, महेंद्र सैनी, निक्की प्रधान, दूल्हा लंबरदार ,ग्राम प्रधान महिपाल, फारुख, सौदान सिंह, प्रदीप यादव, अकील, प्रेम, मनोज तोमर, रोहित सिंह, जय सिंह, रविन्द्र सिंह आदि सैकड़ों क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

न्यायिक कर्मी ने फांसी लगाकर दी जान

मुरादाबाद। जनपद में एक न्यायिक कर्मी ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। न्यायिक कर्मी मोहित कुमार का उनकी पत्नी के साथ तलाक का केस चल रहा था। शादी के सवा महीने बाद ही पत्नी न्यायिक कर्मी को छोड़कर मायके चली गई थी। घटना ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र के गांव करनावाला खास गांव की है। गांव के रहने वाले मोहित कुमार (28) पुत्र मुनेश ठाकुरद्वारा छुरू कोर्ट में क्लर्क थे। शनिवार सुबह परिजनों को मोहित की डेडबॉडी उनके कमरे में दुपट्टे के जरिए बने फंदे पर लटकी मिली।मोहित के परिवार में मां कुसुम देवी, बड़े भाई का सोहित, बड़ी बहन पूजा है। परिजनों ने बताया कि करीब 2 साल पहले मोहित की शादी अनीता पुत्री महावीर निवासी गांव लम्बिया निकट गजरौला के साथ हुई थी। लेकिन शादी के बाद ही पति-पत्नी में अनबन हो गई और अनीता शादी के सवा महीने बाद ही अपने मायके चली गई। तब से वह मायके में ही है। उसने कोर्ट में तलाक का केस भी डाला है।परिजनों का कहना है कि तलाक केस को लेकर ही मोहित तनाव में रहता था। शुक्रवार को रात करीब 8 बजे खाना खाने के बाद वो अपने कमरे में सोने चला गया था। लेकिन सुबह परिजनों ने देखा तो कमरे में छत पर बने हुक में दुपट्टे के फंदे के जरिए उसकी लटकी थी।

वार्डन्स को आग के वर्गीकरण के बारे में दी जानकारी

मुरादाबाद। केंद्रीय गृह मंत्रालय भारत सरकार एवं निदेशालय नागरिक सुरक्षा उ0 प्र0 लखनऊ के निर्देशानुसार एम आई टी संस्थान में आयोजित वार्डन एवं स्वयंसेवक के क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम के तृतीय सत्र के दूसरे दिन प्रशिक्षण से पूर्व नीरज चक, उपनियंत्रक के साथ सभी उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों ने इतनी शक्ति हमें देना दाता, सर्वधर्म समभाव की प्रार्थना गायी । तत्पश्चात एसडीआरएफ टीम द्वारा पहले सेशन में बचाव की आपातकालीन विधियां के बारे में बताया गया और प्रशिक्षणार्थियों को अभ्यास कराया गया। दूसरे सेशन में सतीश कुमार द्वारा आग बुझाने की विधि एवं उपकरणों के बारे समझाया गया। दूसरे दिन के अंतिम सेशन में अग्निशमन विभाग द्वारा आग का वर्गीकरण, लगने के कारण एवं बचाव पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में कार्यालय से चमन कुमार शर्मा, तुषार अग्रवाल डिविजन वार्डन सुरेंद्र प्रकाश गुप्ता, अशोक कुमार गुप्ता, शरीफ अहमद एडवोकेट, मो. खालिद, वसीम अख्तर, वसीम अंसारी आदि ने उपस्थित रह कर सहयोग प्रदान किया।

उस्ताद और शागिर्द बारगाह-ए-मखदूमुल मुल्क में- मोहम्मद इमरान सिद्दीकी

मखदूमुल मुल्क मखदूम शरफुद्दीन अहमद यहया मनेरी न केवल तसव्वुफ (सूफीवाद) की दुनिया के एक बादशाह हैं, बल्कि तसव्वुफ की दुनिया का एक ऐसा नाम हैं जिन्हें आसानी से भुला पाना हर मजहबी सूफी इंसान के लिए बहुत मुश्किल है। बिहार शरीफ (नालंदा) की धरती पर आपका आस्ताना-ए-करम पूरी दुनिया के लिए आस्था का केंद्र (मरजा-ए-खलाएक) है। आपके आस्ताना-ए-करम पर वही लोग जाते हैं जो भाग्यशाली (साहिब-ए-मुकद्दर) होते हैं। नालंदा बिहार शरीफ वह जगह है जहाँ तसव्वुफ की भीख लोगों को सुबह-शाम दी जाती है। मखदूम शरफुद्दीन अहमद यहया मनेरी वह हस्ती हैं जिन्होंने पूरी दुनिया में इंसानियत को आम किया है, खिदमत-ए-खल्क (जनसेवा) की है और मोहब्बत की तालीम फैलाई है। आपकी बेशकीमती किताबें आज भी दुनिया के लोगों को तसव्वुफ और सुलूक का पाठ पढ़ने के लिए काफी हैं। आपकी कुछ प्रसिद्ध किताबें ये हैं 1.मकतूबात-ए-सदी 2.मकतूबात-ए-दो सदी 3.मुखुल माआनी 4.मादनुल माआनी 5.खान-ए-नेमत 6. सामान -ए -बख्शिश 7.अस्बाब-ए-नजात। ये वो चंद मशहूर किताबें हैं जो दिल की दुनिया को बदलने के लिए एक पाठक (कारी) के लिए काफी हैं और एक दुनियादार इंसान को दीनदार और सूफी बना देती हैं, कलंदर बना देती है। दुनिया से उसका ध्यान हटाकर खुदा की तरफ उसकी तवज्जो मरकज़ (केंद्रित) कर देती हैं। आप राजगीर में कई सालों तक चिल्ला-कशी (कठोर तपस्या) में रहे और आखिर में विसाल (निधन) के बाद बिहार शरीफ की धरती पर आराम फरमा रहे हैं और आपका फैज़ (आशीर्वाद) आज भी जारी और सारी है। आप सिलसिला-ए-फिरदौसिया के बहुत बड़े शेख-ए-कामिल (पूर्ण संत) हैं, जिनके आस्ताना-ए-करम पर कारी मोहम्मद आसिफ अपने शागिर्द आलीशान रज़ा सिद्दीकी के साथ हाजिर होकर लाभान्वित (फैजियाब) हो रहे हैं।

थैरेप्यूटिक हाइपोथर्मिया तकनीक से नवजात को मिलीं सांसें

मुरादाबाद। (वेबवार्ता) तीर्थंकर महावीर हॉस्पिटल, मुरादाबाद के लिए चिकित्सा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि मिली है। टीएमयू हॉस्पिटल में पहली बार जन्म के समय दम घुटने- बर्थ एस्फिक्सिया से पीड़ित नवजात शिशु का नवीन तकनीक- थैरेप्यूटिक हाइपोथर्मिया के जरिए सफल उपचार किया गया। इलाज के बाद अब शिशु पूरी तरह स्वस्थ होकर बिना किसी जटिलता के अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। थैरेप्यूटिक हाइपोथर्मिया सरीखी उन्नत सुविधा अब तक केवल बड़े महानगरों के चुनिंदा चिकित्सा केंद्रों में उपलब्ध थी। मुरादाबाद में इसका सफल प्रयोग होना पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। टीएमयू अस्पताल का यह प्रयास न केवल नवजात चिकित्सा में एक मील का पत्थर है, बल्कि मुरादाबाद को उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं के मानचित्र पर एक नई पहचान भी दिलाता है। इस जटिल और संवेदनशील उपचार का नेतृत्व नियोनेटोलॉजिस्ट डॉ. अदिति रावत ने किया। डॉ. रावत की टीम में पीडियाट्रिक्स की एचओडी डॉ. रूपा सिंह, प्रो. विवेक त्यागी, डॉ. सुरेन, डॉ. मयंक और डॉ. नव्या की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डॉक्टरों की इस टीम ने चौबीस घंटे निगरानी रखते हुए शिशु को सुरक्षित और प्रभावी उपचार प्रदान किया। डॉक्टर्स के अनुसार, जन्म के तुरंत बाद शिशु को गंभीर अवस्था में नवजात गहन चिकित्सा इकाई- एनआईसीयू में भर्ती किया गया था। बर्थ एस्फिक्सिया एक अत्यंत गंभीर स्थिति होती है, जिसमें समय पर सही इलाज न मिलने पर शिशु के मस्तिष्क को स्थायी क्षति पहुंच सकती है। ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में डॉक्टरों की टीम ने आधुनिक और वैज्ञानिक तकनीक थैरेप्यूटिक हाइपोथर्मिया का सहारा लिया। थैरेप्यूटिक हाइपोथर्मिया प्रक्रिया के तहत शिशु के शरीर को नियंत्रित रूप से ठंडा किया जाता है। इस उपचार में लगभग 72 घंटे तक शरीर का तापमान सावधानीपूर्वक कम रखा जाता है, जिससे मस्तिष्क की कोशिकाओं को होने वाले नुकसान को रोका जा सके। इसके बाद शिशु को- ग्रैजुअल रीवार्मिंग के जरिए धीरे-धीरे सामान्य तापमान पर लाया जाता है। यह पूरी प्रक्रिया अत्याधुनिक उपकरणों और विशेषज्ञों की सतत निगरानी में की जाती है।

विश्वस्तरीय सम्मान- नेपाल के प्रख्यात विद्वान शमीम अहमद नदवी को अवार्ड

लखनऊ ।

नेपाल के शैक्षिक, धार्मिक और साहित्यिक क्षेत्र के लिए गौरव और खुशी का ऐतिहासिक क्षण आया है। जामिया सिराजुल उलूम अल्सलफियह, कृष्णानगर नगर पालिका, वार्ड नम्बर 3, लक्ष्मीनगर, नेपाल के अध्यक्ष मासिक पत्रिका उर्दू अल-सिराज के संपादक, प्रख्यात विद्वान और लेखक शमीम अहमद नदवी को उनके अतुलनीय साहित्यिक, शैक्षिक और सामाजिक योगदान के लिए प्रतिष्ठित अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस सम्मान के माध्यम से उनके अद्वितीय योगदान को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दी गई। शमीम अहमद नदवी की सेवाओं ने वर्षों से सीमाओं को पार कर उर्दू भाषा और साहित्य के संरक्षण, संवर्धन और विकास में अतुलनीय योगदान दिया है। यह अवार्ड केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बल्कि पूरे नेपाल के उर्दूप्रेमी, विद्वान और शैक्षिक संस्थाओं के लिए गर्व का प्रतीक है। लखनउ के विद्वान, साहित्यकार, शोधकर्ता और प्रोफेसरों की उपस्थिति में उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी के सहयोग से आयोजित इस भव्य शैक्षिक और साहित्यिक कार्यक्रम में उर्दू साहित्य के विकास में योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। चयन समिति ने नेपाल के शमीम अहमद नदवी को इस सम्मान के लिए योग्य माना, जिससे पूरे उर्दूप्रेमी समाज को गर्व और प्रेरणा मिली। इस अवसर पर जामिया सिराजुल उलूम अल्सलफियह, कृष्णानगर नगर पालिका, वार्ड नम्बर 3, लक्ष्मीनगर, नेपाल के प्रवक्ता मौलाना मशहूद खाँ नेपाली ने कहा- शमीम अहमद नदवी को प्राप्त यह सम्मान केवल उनकी शैक्षिक और साहित्यिक सेवाओं की सराहना नहीं है, बल्कि नेपाल के शैक्षिक और साहित्यिक सफर की भी उज्ज्वल पहचान है। उनकी मेहनत, लगन और निष्ठा ने उर्दू भाषा और साहित्य की सेवा में एक अमर उदाहरण स्थापित किया है। यह अवार्ड प्रमाण है कि उर्दू साहित्य की सेवा और इसकी महत्ता को विश्व स्तर पर भी सम्मान मिला है। हम दुआ करते हैं कि अल्लाह तआला उन्हें और अधिक सम्मान, स्वीकृति और ज्ञान एवं साहित्य की सेवा की निःस्वार्थ शक्ति प्रदान करें, और उनके माध्यम से नेपाल का शैक्षिक और साहित्यिक नाम पूरे विश्व में ऊँचा उठे। नेपालवासियों ने इस प्रतिष्ठित सम्मान पर अत्यंत हर्ष और गर्व व्यक्त किया, और इसे पूरे देश के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि और गौरव का क्षण माना।

मनरेगा योजना बचाओ संग्राम के तहत कांग्रेसियों ने बांटे पम्पलेट

मुरादाबाद। जिला युवक कांग्रेस ने मनरेगा योजना बचाओ संग्राम के तहत बस अड्डों पर यात्रियों में पर्चे भी बांटे। पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर स्थानीय रोडवेज व प्राइवेट बस अड्डे पर सरकारी षडयंत्र का खुलासा किया।

शनिवार को जिला अध्यक्ष दानिश सैफ़ी व देहात इकाई अध्यक्ष एडवोकेट अरमान खुर्शीद की अगुवाई में युवा कांग्रेसी कुंदरकी,बिलारी व टांडा वाजपुर बस अड्डों पर जमा हुए।

यहां ग्रामीण क्षेत्रो के यात्रियों को कांग्रेस व भाजपा सरकार की मनरेगा योजनाओं के बीच के अंतर का खुलासा पर्चे बांट कर किया। बताया गया कि किस प्रकार कांग्रेस के रोजगार की गारंटी योजना को सरकार ठेकेदार के आधीन करने का षड्यंत्र रच रही है। उन्होंने कहा कि इतना ही नही भाजपा सरकार अब ये योजना प्रत्येक ग्राम पंचायत की जगह केवल अपने माफिक मतदाताओं वाली पंचायतों में ही लागू कर शेष पंचायतों के गरीब मजदूरों के हक पर डाका डालने की तैयारियों में जुटी हुई है। युवा कांग्रेसियों ने रोजगार की गारण्टी,न्यूनतम मानदेय 400 किये जाने व पुरानी योजना में कोई भी बदलाव न किये जाने की मांगों को लेकर जोरदार नारेबाजी भी की। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष दानिश सैफी एवं विधानसभा 27 युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अरमान खुर्शीद ने संयुक्त रूप से किया किया। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष असलम खुर्शीद, अफजल हुसैन साबरी भी युवा कांग्रेसियों का हौंसला बढ़ाते हुए दिखाई दिये।

नगर आयुक्त ने परखीं शेल्टर होम की व्यवस्थाएं

मुरादाबाद। तापमान में लगातार रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की जा रही है। घने कोहरे और शीतलहर के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। शुक्रवार दे रात नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ शेल्टर फॉर्म की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। वहां ठहरे लोगों से व्यवस्थाओं के संदर्भ में बातचीत भी की। सभी के द्वारा व्यवस्थाएं ठीक-ठाक होने की बात कही गई। नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने बताया कि निरीक्षण के दौरान सब कुछ ओके पाया गया। कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी व्यक्ति खुले में ना सोने पाए। सभी को शेल्टर होम भिजवाया जाए।

अब बच्चों की पढ़ाई होगी हाइब्रिड मोड में, सीएक्यूएम ने ऑड-ईवन का विकल्प सरकार पर छोड़ा

नई दिल्ली ।दिल्ली-एनसीआर में लगातार बिगड़ती वायु गुणवत्ता को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) का स्टेज-चार पूरे एनसीआर में तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है। इस चरण के तहत प्रदूषण को कम करने के लिए 5-पॉइंट एक्शन प्लान को सख्ती से लागू किया जाएगा। बच्चों की सेहत का ध्यान रखते हुए दिल्ली और गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद तथा गौतम बुद्ध नगर जिलों में कक्षा छठी से नौवीं और ग्यारहवीं तक की कक्षाएं हाइब्रिड मोड में चलाने के निर्देश दिए गए हैं।

यानी जहां संभव हो वहां ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन पढ़ाई की सुविधा दी जाएगी। सीएक्यूएम के एक अधिकारी के अनुसार, एनसीआर के अन्य इलाकों में भी राय सरकारें इसी तरह की व्यवस्था लागू करने पर विचार कर सकती हैं। ऑनलाइन पढ़ाई का जिन छात्रों के पास विकल्प है, उन्हें और उनके अभिभावकों को यह विकल्प चुनने की छूट होगी। इसके अलावा, राय सरकारें हालात को देखते हुए कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थान बंद करने, गैर-जरूरी कमर्शियल गतिविधियों पर रोक लगाने और ऑड-इवन के आधार पर वाहनों के संचालन जैसे अतिरिक्त आपातकालीन कदमों पर भी निर्णय ले सकती हैं। ऐसे में इन उपायों का सीधा असर ट्रैफिक व्यवस्था, निर्माण कार्यों, स्कूल-कॉलेज और व्यावसायिक गतिविधियों पर पड़ेगा।

सभी निर्माण और तोड़-फोड़ गतिविधियों पर रहेगी रोक

दिल्ली में बीएस-छह ट्रक की एंट्री पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। हालांकि, जरूरी सामान ले जाने वाले और जरूरी सेवाएं देने वाले ट्रकों को इससे छूट दी गई है। इसके अलावा एलएनजी, सीएनजी, इलेक्ट्रिक और बीएस-VI डीजल ट्रकों को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति दी गई है, ताकि जरूरी सप्लाई चेन प्रभावित न हो। साथ ही, दिल्ली में रजिस्टर्ड बीएस-IV और उससे नीचे के डीजल भारी मालवाहक वाहनों के चलने पर भी सख्त प्रतिबंध लगाया गया है, सिवाय जरूरी सेवाओं से जुड़े वाहनों के। इसके अलावा, प्रदूषण के बड़े स्रोत माने जाने वाले निर्माण कार्यों पर भी कड़ा फैसला लिया गया है। ग्रेप स्टेज-तीन की तरह ही अब सभी निर्माण

और तोड़-फोड़ गतिविधियों पर रोक रहेगी। इसके साथ-साथ हाईवे, सड़क, फ्लाईओवर, ओवरब्रिज, पावर ट्रांसमिशन लाइन, पाइपलाइन और टेलीकम्युनिकेशन जैसे लीनियर पब्लिक प्रोजेक्ट्स पर भी काम बंद रहेगा।

बच्चों, बुजुर्गों और सांस के मरीजों को दी हिदायत

सीएक्यूएम के अधिकारियों ने एनसीआर के लोगों से अपील की है कि वे ग्रेप के तहत जारी सिटीजन चार्टर का पालन करें। खास तौर पर बच्चों, बुजुर्गों और सांस, हृदय या अन्य पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों को बाहर निकलने से बचने और जरूरत पड़ने पर मास्क पहनने की सलाह दी गई है। आयोग के अधिकारियों का कहना है कि सभी के सहयोग से ही क्षेत्र की हवा को साफ और सुरक्षित बनाया जा सकता है।

रात के समय निरीक्षण, कचरा जलाने के 65 मामले पकड़े गए

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने 'ऑपरेशन क्लीन एयर' के तहत उत्तरी दिल्ली में शाम और रात के समय विशेष निरीक्षण अभियान चलाया। यह कार्रवाई ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) के अंतर्गत की गई। 14 जनवरी, 2026 को शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक जहांगीरपुरी, शालीमार बाग और वजीरपुर इलाकों में सीएक्यूएम की फ्लाइंग स्क्वाड टीमों ने निरीक्षण किया। इस दौरान कचरा और बायोमास जलाने तथा कचरा खुले में फेंकने के कुल 65 मामले सामने आए।

इनमें 47 मामले कचरा या बायोमास जलाने के और 18 मामले कचरा फेंकने के पाए गए। अधिकतर लोग ठंड से बचने के लिए सड़कों, दुकानों और खुले स्थानों पर कचरा जलाते हुए पाए गए। आयोग ने दिल्ली नगर निगम सहित संबंधित एजेंसियों को कड़ी कार्रवाई करने और रात में निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। सीएक्यूएम के एक अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि ऐसे निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे।

हवा में घुला जहर, दमघोंटू हुई फिजा

राजधानी में लगातार चार दिन से बेहद खराब श्रेणी में हवा बरकरार होने के बाद शनिवार को फिजा गंभीर श्रेणी में पहुंच गई। ऐसे में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 दर्ज किया गया। यह हवा की बेहद खराब श्रेणी है। इसमें शुक्रवार की तुलना में 46 सूचकांक की वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी ओर एनसीआर में गाजियाबाद की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 394 दर्ज किया गया। यह हवा की बेहद खराब श्रेणी है। वहीं, नोएडा में 363, गुरुग्राम में 360 और ग्रेटर नोएडा में 332 एक्यूआई दर्ज किया गया। इसके अलावा फरीदाबाद की हवा सबसे साफ रही। यहां सूचकांक 253 दर्ज किया गया। यह हवा की मध्यम श्रेणी है।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए निर्णय सहायता प्रणाली के अनुसार, वाहन से होने वाला प्रदूषण 12.46 फीसदी रहा। इसके अलावा पेरिफेरल उद्योग से 7.81, आवासीय इलाकों से 3.30, निर्माण गतिविधियों से 1.50 और कूड़ा जलाने की 1.22 फीसदी की भागीदारी रही। सीपीसीबी के अनुसार, शनिवार को हवा पूर्व दिशा से 5 किलोमीटर प्रतिघंटे के गति से चली। वहीं, अनुमानित अधिकतम मिश्रण गहराई 500 मीटर रही। इसके अलावा, वेंटिलेशन इंडेक्स 200 मीटर प्रति वर्ग सेकंड रहा। दूसरी ओर, शाम पांच बजे हवा में पीएम10 की मात्रा 363.3 और पीएम2.5 की मात्रा 227.5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई।

सत्ता के लिए गठबंधन, फिर सहयोगियों को कमजोर..., कपिल सिब्बल ने भाजपा की रणनीति पर उठाए सवाल

नई दिल्ली ।राज्यसभा के सांसद कपिल सिब्बल ने रविवार को भाजपा के चुनावी रणनीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा उन राज्यों में, जहां वह सत्ता में नहीं है या बहुमत में नहीं है, वहां अपनी राजनीति के तहत दूसरे राजनीतिक दलों से गठबंधन करती है, सत्ता में आती है और फिर उन गठबंधन सहयोगियों को कमजोर कर देती है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में सिब्बल ने भाजपा की राजनीति और रणनीति पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि जिन राज्यों में वे सत्ता में नहीं होते या बहुमत में नहीं होते, वहां अन्य दलों से गठबंधन कर सत्ता में आते हैं और फिर उन्हें हाशिए पर डाल देते हैं। सिब्बल ने यह भी कहा कि यह रणनीति बिहार में सफल रही थी और अब महाराष्ट्र में भी इसका पालन किया जा रहा है। कपिल सिब्बल का आरोप है कि भाजपा अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अपने गठबंधन सहयोगियों को कमजोर कर देती है। इसका उदाहरण बिहार और अब महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है, जहां भाजपा ने गठबंधन के बाद धीरे-धीरे अपने सहयोगियों को हाशिये पर डाल दिया। बता दें कि महाराष्ट्र में बीएमसी समेत 29 निगमों पर 15 जनवरी को मतदान हुए, जिसमें भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया। मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) में भाजपा ने 227 सीटों में से 89 सीटें जीतकर उद्धव ठाकरे के परिवार की तीन दशकों पुरानी सत्ता को चुनौती दी। वहीं, शिवसेना के सहयोगी दल, शिवसेना (शिंदे गुट) ने 29 सीटें जीतीं। इसके अलावा, उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना (यूबीटी) को 65 सीटें मिलीं। इतना ही नहीं महाराष्ट्र के अन्य नगर निगमों में भी भाजपा ने जोरदार प्रदर्शन किया। नवी मुंबई में भाजपा ने 65 सीटों पर जीत दर्ज की, वहीं पुणे में उसे 119 सीटें मिलीं, नागपुर में 102, और ठाणे में भी भाजपा ने बहुमत प्राप्त किया। कांग्रेस पार्टी ने चुनावी दौड़ में थोड़ी सुस्ती दिखाई, लेकिन फिर भी कुछ क्षेत्रों में अपनी पकड़ बनायी। पार्टी ने भिवंडी में 30 सीटें, चंद्रपुर में 27 सीटें और लातूर में 43 सीटें जीतीं। इसी तरह, एनसीपी (अजीत पवार गुट) ने पुणे में 27 सीटें जीतीं, जबकि अन्य छोटे दलों ने भी कुछ सीटों पर विजय प्राप्त की।

दिल्ली क्राइम ब्रांच को मिली बड़ी सफलता, पकड़ा गया लॉरेंस बिश्नोई गैंग का वांटेड शूटर

नई दिल्ली । पुलिस ने बताया कि दिल्ली क्राइम ब्रांच की एंटी-गैंगस्टर स्क्वाड (एजीएस) ने राजस्थान पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े एक वांछित शार्पशूटर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रदीप शर्मा उर्फ गोलू (23) के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के आगरा का निवासी है। उसे 16 जनवरी, 2026 को प्राप्त विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर दिल्ली के उत्तम नगर से पकड़ा गया। पूछताछ के बाद उसे आगे की जांच के लिए राजस्थान पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार, शर्मा राजस्थान के गंगानगर जिले में दर्ज कई मामलों में वांछित था। मार्च 2025 में, गिरोह ने कथित तौर पर एक व्यवसायी से 4 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। जब पैसा नहीं दिया गया, तो शर्मा को व्यवसायी के घर पर गोली चलाने का काम सौंपा गया था। मई 2025 में शर्मा और उसके साथियों ने कथित तौर पर व्यवसायी के आवास पर गोलीबारी की, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि जमानत पर रिहा होने के बाद भी वह गिरोह से जुड़ा रहा और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह को अवैध हथियार और गोला-बारूद की आपूर्ति करने लगा। राजस्थान पुलिस ने हाल ही में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है, और पुलिस ने बताया कि शर्मा उर्फ गोलू को उन हथियारों का स्रोत बताया गया है। अधिकारियों ने बताया कि उत्तम नगर में छापेमारी के दौरान दिल्ली क्राइम ब्रांच ने यह गिरफ्तारी की। पुलिस ने आगे बताया कि आरोपी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सक्रिय सदस्य था और राजस्थान में गिरोह के लिए काम कर रहा था। इसी बीच, एक अलग घटनाक्रम

में, पंजाब पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। पंजाब पुलिस के डीजीपी के अनुसार, लुधियाना कमिश्नरेट पुलिस ने गैंगस्टर गोल्डी ब्रार से जुड़े एक जबरन वसूली गिरोह का भंडाफोड़ किया है। तीन सप्ताह तक चले एक सुनियोजित अभियान में, पुलिस ने 10 सदस्यों को गिरफ्तार किया और दो ऑस्ट्रियन ग्लॉक पिस्तौल सहित विदेशी निर्मित पिस्तौलें और 10 अन्य अत्याधुनिक हथियार बरामद किए। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार सदस्य अवैध हथियार तस्करी, जबरन वसूली और सुनियोजित हत्याओं में शामिल थे, जिनका उद्देश्य पूरे राय में अराजकता फैलाना था। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और शस्त्र अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है और शेष सहयोगियों को पकड़ने के लिए आगे की जांच जारी है।

शराब के नशे में हुई कहासुनी में युवक की निर्मम हत्या, आरोपी दोस्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली ।

गीता कॉलोनी थाना क्षेत्र में शनिवार रात को एक व्यक्ति की सिर पर लकड़ी के डंडे से वार कर बेरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना उस समय हुई जब दोनों दोस्त शराब पी रहे थे और उनके बीच कहासुनी हो गई। शनिवार की रात करीब 9:49 बजे पुलिस को पीसीआर कॉल के माध्यम से सूचना मिली कि गीता कॉलोनी के पास महिला कॉलोनी, गांधी नगर में सड़क किनारे एक व्यक्ति खून से लथपथ पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने देखा कि एसकेवी नंबर 1 स्कूल की बाउंड्री वॉल के पास एक व्यक्ति मृत पड़ा था, जिसके सिर पर गंभीर चोट के निशान थे और आसपास खून फैला हुआ था। पीसीआर कॉलर अखिलेश ने मृतक की पहचान 36 वर्षीय घनुआ के रूप में की, जो उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले का रहने वाला था।

1.20 लाख की सालाना आय वाले परिवारों का बनेगा राशन कार्ड, दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली । मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में अब 1.20 लाख रुपये की सालाना आय वाले परिवारों का राशन कार्ड बनेगा। यह फैसला दिल्ली कैबिनेट ने सीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि नियमों के अभाव में दिल्ली में 3 लाख 89 हजार 883 से अधिक आवेदन लंबित हैं और 11 लाख 65 हजार 965 से यादा लोग आज भी खाद्य सुरक्षा की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इन्हें अब पारदर्शी और जरूरत-आधारित प्रणाली के तहत शामिल किया जाएगा। रेखा गुप्ता ने बताया कि राशन कार्ड बनवाने के लिए राजस्व विभाग की ओर से जारी आय प्रमाणपत्र अनिवार्य किया गया है। नए नियमों के अनुसार ऐसे परिवार जिनके पास दिल्ली में ए से ई श्रेणी की कॉलोनियों में संपत्ति है, जो आयकर देते हैं और जिनके पास चार पहिया वाहन है (रोजी-रोटी के लिए इस्तेमाल होने वाला एक कमर्शियल वाहन इसमें शामिल नहीं है)। परिवार का कोई सदस्य सरकारी सेवा में है या जिनके घर में 2 किलोवाट से अधिक का बिजली कनेक्शन है। ऐसे परिवार इस योजना के पात्र नहीं होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला स्तरीय समितियों के माध्यम से आवेदनों की जांच, स्वीकृति और प्राथमिकता तय की जाएगी। जिला स्तरीय समिति को प्राथमिकता निर्धारण की केंद्रीय इकाई बनाया गया है। इसकी अध्यक्षता जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) या अपर जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) करेंगे। समिति में स्थानीय विधायक और संबंधित अधिकारी शामिल होंगे। 20 प्रतिशत की वेटिंग लिस्ट भी बनाई जाएगी, जिससे रिक्तियों को समय पर भरा जा सके। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने खाद्य सुरक्षा प्रणाली डेटा की जांच की। डेटा वेरिफिकेशन से पता चला कि लगभग 6 लाख 46 हजार 123 ऐसे लाभार्थी सामने आए जिनकी आय जानकारी नियमों से मेल नहीं खाती थी। 95 हजार 682 ऐसे लोग थे जो लंबे समय से सिस्टम में थे लेकिन लाभ नहीं ले रहे थे। 6,185 मामलों में लाभ मृत लोगों के नाम पर दर्ज था। वर्तमान में 3 लाख 89 हजार 883 से अधिक आवेदन लंबित हैं और 11 लाख 65 हजार 965 से अधिक लोग खाद्य सुरक्षा का इंतजार कर रहे हैं।

पुलिस मुठभेड़ के दौरान तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार, दो के पैर में लगी गोली

नोएडा । थाना ईकोटेक-तीन पुलिस ने शनिवार रात एक मुठभेड़ के बाद तीन शातिर लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया जो राहगीरों को कार में लिफ्ट देकर लूटपाट करते थे। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों के खिलाफ पूर्व में कई मामले दर्ज हैं। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना ईकोटेक-तीन पुलिस बीती रात को कच्ची सड़क के पास बैरियर लगाकर जांच कर रही थी, तभी एक कार में कुछ लोग आते दिखे। उन्होंने बताया कि संदेह होने पर पुलिस ने कार को रुकने का इशारा किया लेकिन कार सवार रुकने की बजाए वहां से भागने लगे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने कार का पीछा करके उन्हें घेर लिया और बदमाशों ने पुलिस दल पर गोली चला दी। उन्होंने बताया की उसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलायी। मीडिया प्रभारी ने बताया कि पुलिस द्वारा चलाई गई गोली जियाउल्लह पुत्र अनीसुर्रहमान, निवासी जिला मोतीहारी, बिहार, और अमन गुप्ता, पुत्र प्रदीप कुमार, निवासी जनपद एटा के पैर में लगी। उन्होंने बताया कि इनका एक साथी नसीम अली उर्फ रियाज, पुत्र साबिर अली मौके से भाग गया और पुलिस ने बाद में गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इन बदमाशों के पास से एक कार, तीन तमंचे, कारतूस, लूटी हुई रकम में से छह हजार 500 रुपये नगद, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड आदि बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस को पूछताछ के दौरान पता चला कि ये लोग राहगीरों को सवारी के रूप में अपनी कार में बैठाते थे और उनसे मारपीट करके उनके मोबाइल, नगदी आदि लूट लेते थे। उन्होंने बताया कि इन बदमाशों ने लूटपाट की कई घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।